क्या आप इस्राएल के शिक्षक हैं, और ये बातें आपको नहीं पता?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यह बातें निकोदेमस से कही गईं, जो कि एक तोराह का शिक्षक और फरीसी था। वह रात में यीशु के पास चुपचाप आया और उन्हें वह बातें बताईं जो उनके फरीसी साथी जानते थे। उसने स्वीकार किया और कहा कि “हम फरीसी पूरी तरह जानते हैं कि आप परमेश्वर के पास से आए हैं।” (हालांकि वे उसे विरोध करते थे)।

लेकिन जब वह और आगे बढ़ते हैं, यीशु ने उसे बीच में रोककर दूसरा जन्म (पुनर्जन्म) समझाया।

यूहन्ना 3:1-3

1. तब यरूशलेम में यहूदी लोगों के एक प्रमुख फरीसी, नाम निकोदेमुस, था।
2. वह रात में यीशु के पास आया और कहने लगा, “रबी, हम जानते हैं कि आप परमेश्वर के पास से आए हुए शिक्षक हैं; क्योंकि आप जो चिह्न कर रहे हैं, कोई और नहीं कर सकता, सिवाय इसके कि परमेश्वर उसके साथ हो।”
3. यीशु ने उत्तर दिया, “सत्य-सत्य, मैं तुम्हें कहता हूँ, यदि कोई मनुष्य दूसरी बार जन्म नहीं लेता, तो वह परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता।”

निकोदेमुस को यह सुनकर आश्चर्य हुआ – क्या कोई वास्तव में दूसरी बार जन्म ले सकता है? जब वह चकित हुआ, तब यीशु ने उसे और भी हैरान कर दिया। यह तो एक तोराह का शिक्षक है, धार्मिक मामलों में निपुण, फिर भी वह इस नई सच्चाई से अनजान था।

क्या आप इस्राएल के शिक्षक हैं, और ये बातें आपको नहीं पता?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यूहन्ना 3:10
यीशु ने उत्तर दिया, “क्या आप इस्राएल के शिक्षक हैं, और ये बातें आपको नहीं पता?”

आज भी कई प्रचारक और शिक्षक, जो स्वयं को पादरी, भविष्यद्वक्ता या प्रेरित कहते हैं, यीशु के इस संदेश को नहीं समझते। वे यीशु के राज्य और पुनर्जन्म की महत्ता को नहीं समझते या इसे सिखाते नहीं हैं।

ईश्वर ने निकोदेमुस को बताया कि स्वर्ग में प्रवेश का उपाय यह है कि मनुष्य को दूसरी बार जन्म लेना आवश्यक है। इसी तरह, यदि हम लोगों को पश्चाताप और पानी और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा की आवश्यकता नहीं बताएंगे, तो वे कभी भी स्वर्ग के राज्य को नहीं देख पाएंगे – चाहे वे कितने भी व्रत करें, प्रार्थना करें, बलिदान दें, या चमत्कार देखें। यदि वे दूसरी बार जन्म नहीं लेते, तो उनका उद्धार असंभव है।

मनुष्य दूसरी बार कैसे जन्म लेता है?

मनुष्य पानी और आत्मा से जन्म लेता है। यह दोनों चीजें साथ-साथ होनी चाहिए। जब कोई पश्चाताप करता है, अर्थात अपने पापों को पूरी तरह छोड़ देता है – व्यभिचार, भ्रष्टाचार, चोरी, मूर्तिपूजा आदि से दूर होकर – और यीशु के नाम पर उचित बपतिस्मा लेता है, तब वह अपने पापों से मुक्त हो जाता है।

क्या आप इस्राएल के शिक्षक हैं, और ये बातें आपको नहीं पता?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

व्यवस्थाओं 2:38
“पतरुस ने उनसे कहा, ‘तबताप करो, और प्रत्येक अपने नाम पर यीशु
मसीह के लिए बपतिस्मा लो, ताकि तुम्हारे पाप क्षमा हो जाएँ; और तुम पवित्र आत्मा का उपहार पाओ।’”

जैसे ही पापों की क्षमा मिलती है, अगला कदम है पवित्र आत्मा का आगमन। यदि कोई यीशु में पूरी तरह विश्वास करता है और बपतिस्मा लेने के लिए तत्पर है, तो पवित्र आत्मा उस पर उतरता है और वह दूसरी बार जन्म लेता है। उसका नाम स्वर्ग की जीवन पुस्तक में दर्ज होता है।

यदि कोई कहता है “मैं उद्धार पा चुका हूँ” लेकिन बपतिस्मा से भागता है, तो वह वास्तव में उद्धार को स्वीकार नहीं करता, और पवित्र आत्मा उस पर नहीं उतर सकता। इसलिए, बपतिस्मा केवल अनिवार्य कर्म नहीं, बल्कि पूरी तरह से आत्म-समर्पण और जीवन बदलने की प्रक्रिया है।

मरकुस 16:16
“विश्वास करने वाला और बपतिस्मा लेने वाला उद्धार पाएगा; पर
विश्वास न करने वाला निंदा झेलेगा।”

क्या आप इस्राएल के शिक्षक हैं, और ये बातें आपको नहीं पता?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

उद्धार केवल विश्वास से नहीं, बल्कि बपतिस्मा और पश्चाताप के साथ पूर्ण होता है। इसलिए, यदि आप दूसरी बार जन्म लेने की इच्छा रखते हैं, तो अपने पापों से पश्चाताप करें और व्यक्तिगत रूप से बपतिस्मा लेने का प्रयास करें।

सही बपतिस्मा वह है जिसमें पूरी तरह डुबोकर पानी में बपतिस्मा लिया जाए (यूहन्ना 3:23), और यह यीशु मसीह के नाम पर होना चाहिए (व्यवस्थाओं 2:38, 8:16, 10:48, 19:5)। यदि आप पहले कहीं और बपतिस्मा ले चुके हैं या किशोर अवस्था में, तो पुनः बपतिस्मा लेना उचित है।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें।

Share on:
WhatsApp